भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-3490
सोमवार, 15 जुलाई, 2019/24 आषाढ़, 1941 (शक)

बेरोजगारी दर

3490. श्री बालूभाऊ धानोरकर उर्फ सुरेश नारायणः

क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत दो वर्षों में बेरोजगारी दर की राज्य-वार प्रवृत्ति क्या है;

(ख) क्या उच्चतम बेरोजगारी दर गुजरात में है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या भारत में बेरोजगारी के आंकड़े हर पांच साल में केवल एक बार प्रस्तुत किए जाते हैं जबकि अन्य देशों में आंकड़े तिमाही आधार पर पेश किए जाते हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री संतोष कुमार गंगवार)

(क एवं ख): राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ), सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा 2017-18 के दौरान आयोजित किए गए वार्षिक आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के परिणामों तथा श्रम ब्यूरो, श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा आयोजित किए गए द्वारा रोजगार-बेरोजगारी संबंधी वार्षिक सर्वेक्षण के अनुसार, 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की सामान्य स्थिति (प्रमुख स्थिति+सहायक स्थिति) आधार पर उपलब्ध सीमा तक अनुमानित बेरोजगारी दर नीचे दी गई है। राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा अनुबंध में दिया गया है।

बेरोजगारी दर		
सर्वेक्षण*	गुजरात	अखिल भारत
2017-18 (पीएलएफएस)	4.8%	6.0%
2015-16 (श्रम ब्यूरो)	0.6%	3.7%

(टिप्पणीः *पीएलएफएस एवं श्रम ब्यूरो सर्वेक्षण में सर्वेक्षण की कार्य-पद्धति तथा प्रतिदर्श का चयन अलग-अलग हैं)

(ग एवं घ): देश में रोजगार एवं बेरोजगारी की स्थिति का पता लगाने के लिए, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ), सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा पंचवार्षिक श्रम बल सर्वेक्षण आयोजित किए गए थे। ये सर्वेक्षण वर्ष 1972-73, 1977-78, 1983, 1987-88, 1993-94, 1999-00, 2004-05, 2009-10 एवं 2011-12 के दौरान आयोजित किए गए थे। श्रम ब्यूरो भी वार्षिक रोजगार-बेरोजगारी सर्वेक्षण आयोजित करता है, जो वर्ष 2009-10, 2011-12, 2012-13, 2013-14, 2015-16 एवं 2016-17 के दौरान आयोजित किए गए थे। बारंबार अंतरालों पर श्रम बल सांख्यिकी की उपलब्धता की आवश्यकता पर विचार करते हुए, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने 2017-18 के दौरान आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) शुरू किया, जिसका उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में विभिन्न श्रम बल संकेतकों के वार्षिक अनुमानों को सृजित करने के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में श्रम बाजार के विभिन्न सांख्यिकी संकेतकों के तिमाही परिवर्तनों को मापना है।

अनुबंध

लोक सभा के दिनांक 15.07.2019 के अतारांकित प्रश्न संख्या 3490 के भाग (क एवं ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

सामान्य स्थिति (प्रमुख स्थिति+सहायक स्थिति) आधार पर उपलब्ध सीमा तक 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के व्यक्तियों हेतु बेरोजगारी दर के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरे

(% में)

क्र.सं.	**राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र**	2015-16 **(श्रम ब्यूरो के सर्वेक्षण)***	2017-18 **एनएसएस (पीएलएफएस)**
1.	आंध्र प्रदेश	3.5	4.5
2.	अरुणाचल प्रदेश	3.9	5.8
3.	असम	4.0	7.9
4.	बिहार	4.4	7.0
5.	छत्तीसगढ़	1.2	3.3
6.	दिल्ली	3.1	9.4
7.	गोवा	9.0	13.9
8.	**गुजरात**	**0.6**	**4.8**
9.	हरियाणा	3.3	8.4
10.	हिमाचल प्रदेश	10.2	5.5
11.	जम्मू और कश्मीर	6.6	5.4
12.	झारखंड	2.2	7.5
13.	कर्नाटक	1.4	4.8
14.	केरल	10.6	11.4
15.	मध्य प्रदेश	3.0	4.3
16.	महाराष्ट्र	1.5	4.8
17.	मणिपुर	3.4	11.5
18.	मेघालय	4.0	1.6
19.	मिजोरम	1.5	10.1
20.	नागालैंड	5.6	21.4
21.	ओडिशा	3.8	7.1
22.	पंजाब	5.8	7.7
23.	राजस्थान	2.5	5.0
24.	सिक्किम	8.9	3.5
25.	तमिलनाडु	3.8	7.5
26.	तेलंगाना	2.7	7.6
27.	त्रिपुरा	10.0	6.8
28.	उत्तराखंड	6.1	7.6
29.	उत्तर प्रदेश	5.8	6.2
30.	पश्चिम बंगाल	3.6	4.6
31.	अंडमान एवं निकोबार द्वीप	12.0	15.8
32.	चंडीगढ़	3.4	9.0
33.	दादर और नगर	2.7	0.4
34.	दमन और दीव	0.3	3.1
35.	लक्षद्वीप	4.3	21.3
36.	पुडुचेरी	4.8	10.3
	अखिल भारतीय	3.7	6.0

स्रोत: आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय; श्रम ब्यूरो के रोजगार-बेरोजगारी सर्वेक्षण

(टिप्पणीः *पीएलएफएस एवं श्रम ब्यूरो सर्वेक्षण में सर्वेक्षण की कार्य-पद्धति तथा प्रतिदर्श का चयन अलग-अलग हैं)